दार्जिलिंग चाय उद्योग के संकट पर सीएम ममता बनर्जी गंभीर

By: Ashutosh Kumar Singh | Published: 16 Aug 2021, 10:56 PM IST

कोलकाता. पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दार्जिलिंग चाय उद्योग पर खतरे की कथित आशंकाओं के मद्देनजर गंभीरता दिखाई है। राज्य सचिवालय नवान्न में सोमवार को आयोजित कैबिनेट की बैठक में उन्होंने इस मुद्दे पर चर्चा की। उन्होंने मुख्य सचिव एच.के. द्विवेदी को मामले की छानबीन कर रिपोर्ट देने को कहा है। उल्लेखनीय है कि राज्य के श्रम मंत्री बेचाराम मन्ना ने हाल ही में उत्तर बंगाल के चाय बागानों का जायजा लेने के पश्चात इस संदर्भ में मुख्यमंत्री को वस्तुस्थिति से अवगत कराया था। कैबिनेट की बैठक का हवाला देते हुए श्रम मंत्री मन्ना ने कहा कि केंद्र की उदासीनता के कारण दार्जिलिंग के चाय उद्योग पर संकट मडराने लगा है। नेपाल से बड़े पैमाने पर चाय का आयात होना इसका प्रमुख कारण है। केंद्रीय एजेंसियां आयात के नियमों का पालन नहीं कर रही है। यही वजह है कि चाय के कारोबार से जुड़े कुछ असत्य कारोबारी सुस्वाद और सुगंधित दार्जिलिंग के चाय के साथ नेपाल के चाय को मिलाकर बाजार में बेच रहे हैं। ऐसे कारोबारी भारत सरकार को शुल्क चुकाए बिना नेपाल का चाय का आयात धड़ल्ले से कर रहे हैं। फलस्वरूप दार्जिलिंग चाय की शुद्धता और गुणवत्ता के प्रति लोगों में भ्रम की स्थिति बनती जा रही है। इसका सीधा असर दार्जिलिंग के चाय उद्योग पर पड़ रहा है। उल्लेखनीय है कि दार्जिलिंग की पहाड़ियों में छोटे-बड़े करीब 85 चाय बागान हैं। जिनमें करीब 55,000 श्रमिक काम करते हैं।

https://www.patrika.com/kolkata-news/cm-mamta-banerjee-serious-on-the-crisis-of-darjeeling-tea-industry-7012884/